ई-संस्करण, अंक 36

Room to Read®
World Change Starts with Educated Children.®

गपशप

प्यारे साथियों,
आशा है कि आप और आपका परिवार अच्छे से होंगे। जैसा कि आप जानते हैं कि सभी बच्चों के स्कूल अभी भी बंद हैं और सब अपने–अपने घर पर ही हैं। हमने सोचा कि हमारे साथियों को अपने गपशप का इन्तज़ार होगा, तो हम आपके लिए लेकर आए हैं गपशप का नया अंक। जिसमें हम सब जानेंगे कोरोना के समय में अपने समय का सदुपयोग कैसे करें और इंटरनेट पर ऑनलाइन पढ़ाई करते वक्त किन बातों का ध्यान रखें। आशा है कि आपको इसे पढ़कर अच्छा लगेगा। घर पर रहें, सुरक्षित रहें।

साहसी युवतियाँ

गोल्डन गर्ल
हिमा दास

'गोल्डन गर्ल' हिमा दास ने 20 दिनो में 5 गोल्ड मेडल जीतकर देश के खेल इतिहास में एक नया अध्याय रच दिया है। वो कारनमा कर दिया है जो किसी भी भारतीय एथेलेटिक्स के खिलाड़ी का सपना हो सकता है। पर ऐसा कारनामा एक दिन की मेहनत से थोड़े ही होता है। इसके लिए तो सालों की मेहनत लगती है।

हिमा दास असम के नागांव जिले के धिंग गाँव की रहने वाली है। वह एक किसान परिवार से आती है। वह पहले लड़कों के साथ फुटबॉल खेलती थी और एक फुटबॉल खिलाड़ी के तौर पर अपनी पहचान बनाना चाहती थी। एक इंटर स्कूल दौड़ प्रतियोगिता के दौरान स्कूल के ट्रेनर शम्स–उल–हक ने हिमा के हुनर को पहचाना। फिर उन्होंने हिमा को खेल और युवा कल्याण निदेशालय के कोच निपोन दास से मिलवाया। जिनके मार्गदर्शन में हिमा ने प्रशिक्षण लिया और इसके बाद रूकने का नाम नहीं लिया।

हिमा केवल खेल में ही नहीं बल्कि सामाजिक कार्यों में भी रूचि लेती है। उन्होंने अवैध शराब की दुकान को बंद कराने के लिए महिलाओं के समूह का नेतृत्व भी किया है। 25 सितंबर 2018 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा हिमा दास को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पर्यावरण की आवाज़
ग्रेटा थनबर्ग

दुनियाभर में मौसम में हो रहे परिवर्तन को लेकर अलख जगाने वाली 16 साल की ग्रेटा थनबर्ग धरती बचाने की लड़ाई लड़ रही है। ग्रेटा का जन्म स्वीडन में 2003 में हुआ था। इनकी माँ गायिका और पिता अभिनेता हैं।

ग्रेटा हर शुक्रवार को स्कूल न जाकर स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में संसद के बाहर बैनर लेकर प्रदर्शन करती है। उनका 'स्कूल स्ट्राइक फॉर क्लाइमेट' या 'फ्यूचर फॉर फ्राइडे कैंपेन' पूरी दुनिया में मशहूर है। इसके जरिये वह नेताओं और आम लोगों से दुनिया बचाने की अपील करती है।

2018 में उनके इस अभियान में 24 देशों के करीब 17 हजार छात्रों ने हिस्सा लिया। इसके बाद वह जलवायु परिवर्तन को लेकर बड़ी–बड़ी कांफ्रेस और आयोजनों में हिस्सा लेने लगी। साल के अंत तक उनके अभियान में हिस्सा लेने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 36 लाख हो गई। थनबर्ग ने प्रदूषण घटाने की पहल सबसे पहले अपने घर से की। इसके लिए उन्होंने अपने माता पिता को कम से कम हवाई यात्राएं करने की अपील की। जब एक पत्रकार ने उनसे पूछा कि आपको नहीं लगता है कि आपको इस वक्त स्कूल में होना चाहिए तो उनका जबाव था, 'अगर दुनिया ही नहीं बची, अगर लोग नहीं बचे तो स्कूल जाने का मतलब क्या है?'

साहसिक कार्य का प्रभाव

एक साहसिक कार्य चुनौतीपूर्ण होता है, जो हमें हमारे सामान्य जीवन से बाहर ले जाकर हमें नई चीजों की कोशिश करने के लिए प्रेरित करता है। रोमांच की परिभाषा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भिन्न होती है। इसे ऐसे भी कह सकते हैं–

'परिणाम की परवाह किए बिना जोख़िम भरा प्रयास करना।' जैसे–

- नई चीजों की कोशिश करना ज्ञान का विस्तार करने में मदद करता है।
- यह हमारी मानसिक स्वास्थ्य को मज़बूत करता है।
- यह हमारी क्षमताओं की खोज करने में मदद करता है।
- यह हमारे दैनिक जीवन को समृद्ध बनाता है।

याद रखें!

साहस और बुद्धिमानी से किए गए कार्य में सफलता अवश्य मिलती है।